

प. सं. 160/2011 अनवतः रूपी | नन्द राम

58
25

~~पत्रावली का इतें कमील वादी। वादी
उपरिष्ठत नही पुनः कमील वादी/वादी
का वाद वाद आवाज एकावई गई
विना वादी या वादी का एकीकर
उपरिष्ठत नही वाद वादी अदम्य पूर्य
अदम्य हाजरी में श्वारिण किया
छाता है पत्रावली वास्तव पक्षत इ~~

Zahur,

उपखण्ड अधिकारी
नोहर

